नृत्यांगना इप्सिता ने हकेंविवि में दी प्रस्तुति

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में स्पीक मैके अध्याय के तत्वावधान में इप्सिता चटर्जी के कथक नृत्य का आयोजन किया गया। इप्सिता मूल रूप से पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक धरती से संबंध रखती हैं। सभागार में बुधवार उन्होंने भारतीय पौराणिक कथाओं, राधा-कृष्ण और होली जैसे विषयों पर कथक नृत्य की विभिन्न भावों, मुद्राओं और तकनीकों के साथ लुभावन प्रस्तुति दी।

उन्होंने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों को कथक नृत्य की कुछ बारीकियां भी सिखाईं। यह उनके नृत्य का आकर्षण ही था कि सभागार अंत तक खचाखच भरा रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रो. नवल किशोर ने मेहमान कलाकार को विश्वविद्यालय की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने दिया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्राओं को कथक नृत्य सिखाती इप्सिता।

कथक नृत्यांगना इप्सिता ने हकेंवि में दी प्रस्तुति

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद शर्मा सभागार में बुधवार को स्पीक मैके अध्याय के तत्वावधान में इप्सिता चटर्जी के कथक नृत्य का आयोजन किया गया। इप्सिता मूल रूप से पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक धरती से संबंध रखती हैं।

सभागार में बुधवार को उन्होंने भारतीय पौराणिक कथाओं, राधा-कृष्ण एवं होली जैसे विषयों पर कथक

नृत्य की विभिन्न भावों, मुद्राओं एवं तकनीकों के साथ लुभावन प्रस्तुति दी। उन्होंने सभागार में उपस्थित कुछ विद्यार्थियों को भी मंच पर बुलाकर कथक नृत्य की कुछ बारीकियां भी सिखाईं। यह उनके नृत्य का आकर्षण ही था कि सभागार अंत तक खचाखच भरा रहा। विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। विवि के भौतिकी विभाग के प्रो. नवल किशोर ने मेहमान कलाकार को स्मृतिचिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने दिया।

कथक नृत्यांगना इप्सिता चटर्जी ने सिखाई नृत्य की बारीकियां

नृत्य कला सिखती छात्राएं ● जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूलचंद शर्मा सभागार में बुधवार को स्पीक मैके अध्याय के तत्वावधान में इप्सिता चटर्जी के कथक नृत्य का आयोजन किया गया। इप्सिता मूल रूप से पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक धरती से संबंध रखती हैं। उन्होंने भारतीय पौराणिक कथाओं राधा–कृष्ण एवं होली जैसे विषयों पर कथक नृत्य की विभिन्न भावों, मुद्राओं एवं तकनीकों के साथ प्रस्तुति दी।

प्रख्यात नृत्यांगना ने इसके साथ ही सभागार में उपस्थित कुछ विद्यार्थियों को भी मंच पर बुलाकर कथक नृत्य की कुछ बारीकियां सिखाई। यह उनके नृत्य का आकर्षण ही था कि सभागार अंत तक खचाखच भरा रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रो. नवल किशोर ने मेहमान कलाकार को विश्वविद्यालय की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिरंजन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आरती यादव ने दिया।

कथक नृत्यांगना इप्सिता ने दी प्रस्तुति

■ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) के प्रो. मूल चंद शर्मा सभागार में स्पीक मैके अध्याय के तत्वावधान में इप्सिता चटर्जी के कथक नृत्य का आयोजन किया गया। इप्सिता मूल रूप से पश्चिम बंगाल की सांस्कृतिक धरती से संबंध रखती हैं। सभागार में आज उन्होंने भारतीय पौराणिक कथाओं, राधा-कृष्ण एवं होली जैसे विषयों पर कथक नृत्य की विभिन्न भावों, मुद्राओं एवं तकनीकों के साथ लुभावन प्रस्तुति दी। साथ ही उन्होंने सभागार में उपस्थित कुछ विद्यार्थियों को भी मंच पर बुलाकर कथक नृत्य की कुछ बारीकियां भी सिखाई। यह उनके नृत्य का आकर्षण ही था कि सभागार अंत तक खचाखच भरा रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रो. नवल किशोर ने मेहमान कलाकार को विश्वविद्यालय की ओर से स्मृति चिह्न भेंट किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य डा. अभिरंजन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा विभाग की सहायक आचार्य डा. आरती यादव ने दिया।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में विद्यार्थियों को कथक नृत्य सिखाती इप्सिता चटर्जी।